मुकद्दर के मालिक मुकद्दर बना दे भजन लिरिक्स

मुकद्दर के मालिक,
मुकद्दर बना दे,
सोया नसीबा मेरा,
फिर से जगा दे।bd।

मेरी एक अरज है,
अगर मान जाते,
उमर हो गई है,
रिझाते रिझाते,
एक बार आकर मोहन,
दरश तो करा दे,
सोया नसीबा मेरा,
फिर से जगा दे।bd।

तेरी एक नज़र में,
छिपी मेरी जन्नत,
निगाहें करम की कर दो,
तो चमकेगी किस्मत,
भवरो से नैया मेरी,
पार तू लगा दे,
सोया नसीबा मेरा,
फिर से जगा दे।bd।

चाहत में तेरी,
खुद ही को मिटाऊं,
तमन्ना है इतनी मैं,
तुम्ही में समाऊं,
‘अंकित’ को चरणों में,
थोड़ी सी जगह दे,
सोया नसीबा मेरा,
फिर से जगा दे।bd।

मुकद्दर के मालिक,
मुकद्दर बना दे

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सोया नसीबा मेरा,
फिर से जगा दे।bd।

Singer & Writer – Ankit Sachdev

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com